B.A - Sem - 1

* युक्ति : आकार तथा सत्यता-सारणी -
युक्तियों की वैधता के परीक्षा की कई विधियाँ है। यहाँ से सरलतम विधि की व्याख्या होगी -
कोई युक्ति वैध तब होती है जब उसके आधार वाक्य सत्य हो और निष्कर्ष भी निश्चायक रूप से सत्य हो। पर ऐसी युक्तियाँ भी है जो अवैध है पर उनके सभी तर्कवाक्य सत्य होते है।

(1) यदि आप कुलपति है, तो आप प्रसिद्ध है।
आप कुलपति नहीं है।
∴ आप प्रसिद्ध नहीं है।

इस युक्ति के सभी तर्कवाक्य सत्य है पर यह अवैध है। इसकी अवैधता इससे सिद्ध होती है कि ठीक इसी के सदृश्य अर्थात् ठीक इसी आकार की एक ऐसी युक्ति की रचना की जा सकती है, जो अवैध है। वैसी हालत में यह युक्ति भी अवैध होगी।
उदाहरणार्थ

(2) यदि टाटा कुलपति है तो वे प्रसिद्ध है।
पर टाटा कुलपति नहीं है।
अतः टाटा प्रसिद्ध नहीं है।

इस युक्ति का आकार ठीक (1) युक्ति के समान है। इसमें केवल आप शब्द के

B.A - Sem - 1

स्थान पर टाटा शब्द स्थानापन्न हुआ है इसलिए दोनों के आकार में पूर्ण सादृश्य है पर (2) युक्ति अवैध है क्योंकि दोनों आधार वाक्य सत्य है, पर निष्कर्ष असत्य इसे तार्किक सादृश्य के आधार के आधार पर खंडन (refutation by logical analogy) भी कहा जा सकता है। इसलिए किसी युक्ति को अवैध सिद्ध किया जा सकता है जब ठीक समान आकार की एक युक्ति की रचना की जाय जिसके आधार वाक्य सत्य हो और निष्कर्ष असत्य। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि वैधता या अवैधता आकारिक विशेषताएँ है। युक्ति के वस्तुविषय से वैधता या अवैधता सम्बद्ध नहीं है। (1) और (2) युक्तियों के विषय भिन्न है, एक है आप के सम्बन्ध में दूसरा टाटा के सम्बन्ध में पर आकार दोनो का एक है आकार के कारण ही (2) अवैध हो तो (1) भी अवैध है इसलिए वैधता या अवैधता को आकारीक विशेषता माना जाता है।

अब